(जुलाई–दिसम्बर 2019 से लागू)

एम०ए०, हिन्दी साहित्य, प्रथम सेमेस्टर

MHL-C113

भारतीय काव्य शास्त्र

पूर्णांक 100 | लिखित परीक्षा 70 अंक

क्रेडिट 6 | सतत आन्तरिक मूल्यांकन 30 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई–1 भारतीय काव्य शास्त्र का उद्‌भव और विकास, काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार।

रस सिद्धान्त – रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

इकाई–2 अलंकार सिद्धान्त – मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।

रीति सिद्धान्त – रीति की अवधारणा, काव्य–गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थानाएँ।

इकाई–3 वक्रोक्ति सिद्धान्त – वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

ध्वनि सिद्धान्त – ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्र काव्य।

औचित्य सिद्धान्त – औचित्य सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

इकाई–4 हिन्दी कवि आचार्यों का काव्य शास्त्रीय चिन्तन – लक्षण काव्य परम्परा एवं कवि शिक्षा।

हिन्दी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना दृष्टि : रामचन्द्र शुक्ल, नंद दुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ० राम विलास शर्मा, डॉ० नगेन्द्र, डॉ० नामवर सिंह

इकाई–5 हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ – शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्य शास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक, समाज शास्त्रीय।

संदर्भ सूची

1. भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका – डॉ० योगेन्द्र प्रताप सिंह
2. भारतीय काव्य शास्त्र – डॉ० योगेन्द्र प्रताप सिंह
3. भारतीय काव्य शास्त्र – डॉ० निशा अग्रवाल
4. भारतीय साहित्य सिद्धान्त – डॉ० तारक नाथ बाली